एक नजर में

तीन पटवारियों के विरुद्ध की कार्रवाई

गुना। तहसीलदार आरोन द्वारा शासकीय कार्यो के प्रति लापरवाही बरतने के कारण तीन पटवारियों के विरुद्ध कठोर अनुशासनात्मक कार्रवाई की गई है। पटवारी भागवत धाकड़, राधेश्याम ओझा और प्रेम नारायण मीणा के द्वारा सीएम हेल्पलाईन सहित अन्य महत्वा ?ंक्षी योजनाओं जैसे जनसुनवाई, फार्मर आईडी सहित अन्य कार्यो में संतोषजनक प्रगति न पाए जाने तथा निर्देशों के उल्लंघन के फलस्वरूप, तहसीलदार आरोन ने पटवारियों का एक-एक दिवस का वेतन काटने का आदेश जारी किया है। यह कार्रवाई राजस्व विभाग के कार्यो में पारदर्शिता और तत्परता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से की गई है, ताकि जनता के कार्यों का त्वरित निराकरण हो सके। तहसीलदार ने सभी राजस्व कर्मियों को निर्देशित किया है कि वे अपने कर्तव्यों का निर्वहन पूरी जिम्मेदारी और समयबद्धता के साथ करें, अन्यथा भविष्य में और भी सख्त कदम उठाए जाएंगे।

सांदीपनि विद्यालय में मनाया बाल दिवस

गुना। शहर के विभिन्न विद्यालयों में बाल दिवस हर्ष और उल्लास से मनाया गया। इसी क्रम में सांदीपनि विद्यालय गुना में जिला शिक्षा अधिकारी राजेश गोयल, सहायक संचालक प्रेरणा गुप्ता, डीवीसी योगेश तिवारी की उपस्थिति में बाल दिवस का आयोजन किया गया। श्री गोयल द्वारा फीता काट कर बाल मेले का शुभारंभ किया गया।इस अवसर पर विद्यार्थियों के समूह द्वारा विभिन्न खान-पान के स्टाल लगाए एवं मनोरंजक खेलों का आयोजन भी किया गया। समस्त बच्चों द्वारा अपनी-अपनी कक्षाओं में भी आकर्षक आज सज्जा थी।

जनजाति, अगड़ा-पिछड़ा, सवर्ण नाम की कोई जाति नहीं : विधायक

बिरसा मुंडा जयंती पर गुना में आयोजित जनजातीय गौरव दिवस कार्यक्रम में इतिहास और सामाजिक संरचना पर दिया बड़ा बयान

नवभारत न्यूज

गुना 15 नव. का। भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर आयोजित जिला स्तरीय जनजातीय गौरव दिवस कार्यक्रम में विधायक पन्नालाल शाक्य ने ऐसा बयान दिया जिसने पूरे कार्यक्रम का केंद्र बिंदु बना दिया। जिला पंचायत विश्राम गृह में हुए इस समारोह में उन्होंने कहा कि हमारे देश में अनुसूचित जाति, जनजाति, अगड़ा-पिछड़ा, सवर्ण-अवर्ण जैसी कोई पहचान नहीं थी। जनजाति नाम की कोई जाति तो कभी थी ही नहीं। यह विभाजन देश को तोडने की साजिश के तहत खड़ा किया गया था और पिछले ढाई सौ वर्षों से हम इसे ढो रहे हैं। देश में समय-समय पर महापुरूषों ने बलिदान दिए हैं। लगभग एक हजार वर्ष तक के जिन्होंने बलिदान दिए हैं उनके तो इतिहास में नाम ही नहीं है।

कार्यक्रम की शुरुआत भगवान बिरसा मुंडा के चित्र पर माल्यार्पण के साथ की गई। इस मौके पर भाजपा जिलाध्यक्ष धर्मेंद्र सिकरवार, नगरपालिका अध्यक्ष सविता अरविंद गुप्ता, सांसद प्रतिनिधि हरिसिंह यादव, कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल, जिला पंचायत सीईओ अभिषेक दुबे, भाजपा जिला महामंत्री संतोष धाकड़ और मीडिया प्रभारी अंकुर श्रीवास्तव सहित अनेक जनप्रतिनिधि और अधिकारी मौजूद रहे।

अपने संबोधन में विधायक शाक्य ने इतिहास के संदर्भ में कहा कि देश की प्राचीन सामाजिक संरचना को जानना जरूरी है। उन्होंने बताया कि पुराने समय में समाज के लोग केवल उनके भौगोलिक स्वरूप के आधार पर पहचाने जाते थे—नगरों में रहने वाले 'नगरवासी', गांवों में रहने वाले 'ग्रामवासी', जंगलों में रहने वाले 'वनवासी' और पहाडियों-कंदराओं में रहने वाले 'गिरिवासी'। इनमें कहीं भी 'जनजाति' या किसी जाति विशेष की कोई परिभाषा नहीं थी, उन्होंने कहा। शाक्य ने कहा कि अंग्रेजों के शासनकाल में और उससे पहले भी कुछ ताकतों ने समाज को जातियों में विभाजित करने की कोशिश की, जिसका असर आज तक देखा जा रहा है।

उन्होंने कहा कि इस विकृति से बाहर निकलने और समाज में सच्चे अर्थों में समरसता लाने के प्रयास ज़रूरी हैं। वहीं कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष धर्मेंद्र सिकरवार ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा बिरसा मुंडा जयंती को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने का निर्णय ऐतिहासिक है। उन्होंने कहा कि बिरसा मुंडा केवल आदिवासी समाज के नेता नहीं थे, बल्कि उन्होंने पूरे राष्ट्र के हित में काम किया और उनके संघर्ष ने स्वतंत्रता आंदोलन को नई दिशा दी।

धर्मेन्द्र सिकरवार ने कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकारें जनजातीय समाज के उत्थान के लिए अनेक योजनाएं चला रही हैं और बड़ी संख्या में लोग इनका लाभ ले रहे हैं।

आजीविका मिशन द्वारा लगाई प्रदर्शनी

कार्यक्रम में सांदीपनि विद्यालय के छात्रों द्वारा प्रस्तुत आदिवासी संस्कृति पर आधारित नृत्य बेहद आकर्षक रहा। कक्षा 11 और 12 के छात्रों द्वारा किया गया यह नृत्य शिक्षिकाओं डॉ. प्रियंका आमेटा और दीप्ति सिंह परिहार के निर्देशन में तैयार किया गया था। इसके अलावा आजीविका मिशन द्वारा आयोजित उत्पाद प्रदर्शनी को भी लोगों ने सराहा। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के संबोधन को लाइव सुना गया। पूरा आयोजन जनजातीय गौरव और सामाजिक एकता के संदेश के साथ संपन्न हुआ, जबकि विधायक शाक्य का बयान कार्यक्रम समाप्त होते हुए भी चर्चा का केंद्र बना रहा।

रेलवे प्रशासन बांसखेड़ी अंडरपास की स्थाई समस्या हल करने में नाकाम

नवभारत न्यूज

गुना। शहर के बांसखेड़ी अंडरपास क्षेत्र में वर्षों से चली आ रही जलभराव की समस्या आज भी जस की तस बनी हुई है। रहवासियों का आरोप है कि रेलवे प्रशासन इस अंडरपास की समस्या का स्थाई समाधान निकालने में नाकाम साबित हो रहा है। हाल ही में रेलवे द्वारा यहां कंक्रीट डालकर केवल खानापूर्ति की गई, जबकि जलभराव का मूल कारण बने नाले और अतिक्रमण पर कोई स्थाई कदम नहीं उठाया गया। वर्तमान में स्थिति यह है कि आसपास की नालियों का पानी सीधे अंडरपास में उतर रहा है, जिससे राहगीरों और क्षेत्रवासियों को भारी परेशानी उठानी पड़ रही है।

रहवासियों और जागरूक नागरिकों ने इस समस्या के स्थाई समाधान की मांग को लेकर पश्चिम मध्य रेलवे गुना के एईएन को लिखित आवेदन सौंपा है। आवेदन में स्पष्ट उल्लेख किया गया कि अंडरपास के पास रेलवे की भूमि पर कुछ लोगों द्वारा अवैध पथवे और निर्माण कर लिया गया है, जिसके कारण नाले का पानी निकलने की जगह बंद हो गई है। इससे अंडरपास में लगातार पानी भरता है और बारिश के समय स्थिति और भी गंभीर हो जाती है। निवासियों ने मांग की है कि रेलवे अपनी भूमि पर हुए अवैध अतिक्रमण को तत्काल प्रभाव से हटाए और वहां स्थाई नाले का निर्माण कराया जाए, ताकि पानी की निकासी सुचारू रूप से हो सके। साथ ही उन्होंने कहा कि यदि यह अतिक्रमण हट जाए तो उसी स्थान का उपयोग आमजन के रास्ते के रूप में भी किया जा सकता है।

271 विद्यालय ग्रामों में मनाई भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती

गुना। एकल अभियान अंचल गुना द्वारा महान स्वतंत्रता सेनानी और जनजातीय समाज के गौरव भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती जिले के 271 विद्यालय ग्रामों में जनजाति गौरव दिवस के रूप में उत्साहपूर्वक मनाई गई। इसी क्रम में एकल अंचल सचिव विकास जैन संच उमरी के विद्यालय ग्राम कुड़ी मंगबार और मोतीपुरा पहुंचे, जहां उन्होंने एकल के छात्र-छात्राओं के साथ भगवान बिरसा मुंडा के चित्र पर माल्यार्पण कर उनकी जयंती मनाई। आयोजन में अंचल गति विधि प्रमुख पप्पू सिंह बंजारा, आचार्य विमलेश नायक और आचार्य साक्षी लोधा सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान छात्रों को भगवान बिरसा मुंडा के जीवन संघर्ष, उनके आदर्शों और जनजातीय समाज के उत्थान हेतु किए गए कार्यों से अवगत कराया गया। विकास जैन ने कहा कि धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पूरे देश में जनजाति गौरव दिवस के रूप में मनाई जा रही है। केंद्र सरकार ने 15 नवंबर 2021 को इसे राष्ट्रीय स्तर पर घोषित किया था, ताकि स्वतंत्रता संग्राम में जनजातीय समुदाय के योगदान और उनकी समृद्ध विरासत को सम्मान दिया जा सके। उन्होंने बताया कि भगवान बिरसा मुंडा का जन्म 15 नवंबर 1875 को झारखंड के उलीहातु में हुआ था। उन्होंने अंग्रेजों के अत्याचार, जनजातीय भूमि पर कब्जे और मिशनरियों द्वारा जबरन धर्मांतरण के विरुद्ध आवाज उठाई। जनजातीय समाज के अधिकारों, संस्कृति और परंपराओं की रक्षा के लिए उनका संघर्ष इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में दर्ज है। उनके विचार आज भी समाज को प्रेरित करते हैं।

मानव जीवन से ही संभव मोक्ष की यात्रा : मुनिश्री निर्भीक सागरजी

नवभारत न्यूज

गुना। पुण्य के प्रभाव से प्राप्त धन, संपदा और रुपया-पैसा तीन ही मार्गों से गुजरता है—या तो उसका दान किया जाए, या उसका उपभोग किया जाए, अन्यथा उसका नाश निश्चित है। यह प्रेरक धर्मोपदेश इंद्रध्वज विधान के अवसर पर मुनिश्री निर्भीक सागरजी महाराज तथा निर्यापक मुनिश्री योग सागरजी महाराज ने दिया। उन्होंने कहा कि चौरासी लाख योनियों में मनुष्यपर्याय ही एकमात्र ऐसा पड़ाव है, जहां से मोक्ष की यात्रा आरंभ की जा सकती है। यह जीवन अत्यंत दुर्लभ है, इसलिए इसे धर्मसाधना में लगाना ही सही उपयोग है। मुनिश्री ने आगे कहा कि 27 समवशरण के बीच 521 प्रतिमाओं के दर्शन एक साथ होना ऐसा प्रतीत कराता है मानो पंचम काल में साक्षात प्रभु का समोशरण आ गया हो। इसमें मूक पशु भी प्रभु की दिव्य वाणी सुनते हैं। उन्होंने कहा कि प्रभु के बिना संसार में कोई और शरण नहीं है। उनके मात्र दर्शन से असंख्यात कर्मों की निर्जरा होती है। वे कर्म जो अनादिकाल से बंधे हैं, प्रभु समोशरण में उनके दर्शन मात्र से चकनाचूर हो जाते हैं। मुनिश्री निर्भीक सागरजी ने कहा कि दुख में तो हर कोई प्रभु को याद करता है, लेकिन जो सुख में भी प्रभु का स्मरण करते रहते हैं, उनके दुख अपने आप दूर हो जाते हैं। वहीं मुनिश्री योग सागरजी महाराज ने कहा कि समोशरण में बैठकर जो आनंद की अनुभूति होती है, वह संसार के किसी भी साधन से प्राप्त नहीं की जा सकती। धर्म धर्मात्मा के बिना टिक नहीं सकता और गुना की जनता की भावना हमेशा धर्म में रत रहने की रही है। ऐसे विशाल धार्मिक आयोजनों से सामूहिक पुण्य अर्जित होता है। उन्होंने कहा कि स्वर्ग के देवता, जिनके पास सब कुछ उपलब्ध होता है, वह जानते हैं कि प्राप्त वस्तु क्षणभंगुर है, इसलिए वे समोशरण में ध्वजाएं चढ़ाते हैं और अष्टद्रव्य से सुंदर पूजन करते हैं ताकि उन्हें वह मार्ग प्राप्त हो सके जिससे वे मनुष्य बनकर मोक्ष प्राप्त कर सकें।

इस अवसर पर जैन समाज अध्यक्ष संजय जैन और मंत्री अनिल ने बताया कि रविवार को निर्यापक संत मुनिश्री योग सागरजी महाराज का ससंघ भव्य पिच्छिका परिवर्तन कार्यक्रम दोपहर 1 बजे से आरंभ होगा।

दीपावली मिलन समारोह की तैयारियों में जुटी किरार क्षत्रिय महासभा

गुना। अखिल भारतीय किरार क्षत्रिय महासभा द्वारा आयोजित दीपावली मिलन एवं सम्मान समारोह को लेकर तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। समारोह 16 नवंबर को रवन्द्रि भवन में आयोजित होगा। जिला अध्यक्ष हेमराज किरार ने बताया कि इस वृहद आयोजन में समाज की प्रमुख विभूतियों को उनके योगदान के लिए सम्मानित किया जाएगा। समारोह की अध्यक्षता महासभा की राष्ट्रीय अध्यक्ष साधना सिंह चौहान करेंगी, जबकि केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान मुख्य अतिथि होंगे। स्वास्थ्य मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल, सांसद दर्शन सिंह चौधरी और गुना जिला पंचायत अध्यक्ष अरविंद धाकड़ विशेष अतिथि के रूप में सम्मिलित होंगे। महासभा के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप चौहान के अनुसार कार्यक्रम को भव्य बनाने के लिए प्रदेश के सभी जिलों एवं अन्य प्रांतों के समाजबंधुओं को आमंत्रण पत्र भेजे जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि आयोजन समिति गांव-गांव जाकर समाजजनों को कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आमंत्रित कर रही है। समारोह में सम्मानित होने वाली विभूतियों में केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान प्रमुख हैं, जिन्होंने भाजयुमो के राष्ट्रीय अध्यक्ष, विधायक, सांसद, चार बार मुख्यमंत्री और अब केंद्रीय मंत्री के रूप में समाज को गौरवान्वित किया है। समाज की शिक्षा, आर्थिक प्रगति और उद्यमशीलता को बढ़ावा देने में उनका योगदान उल्लेखनीय रहा है। इसी प्रकार राष्ट्रीय अध्यक्ष साधना सिंह चौहान ने किरार, धाकड़, नागर और मालव समुदायों को एकता के सूत्र में बांधकर समाजकल्याण की गतिविधियों को नई दिशा दी है। गुना जिला पंचायत अध्यक्ष अरविंद धाकड़ समाज की तरुणाई को जागरूक कर प्रगति के मार्ग पर अग्रसर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उनके पिता राधेश्याम धाकड़ महासभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हैं और वर्षों से सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय हैं। आयोजन को सफल बनाने के लिए प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप चौहान के निर्देशन में राधेश्याम धाकड़, सुरजीत सिंह चौहान, राजेंद्र पटेल, ब्रजेश चौहान, रणजीत सिंह चौहान, शिव हारोड़े, तुलसीराम पटेल, एड. प्रेम चौहान, संजय चौहान, रोहित चौहान, वंदना पटेल, सुषमा चौहान और नीता मथुरा पटेल सहित सभी पदाधिकारियों की टीमें व्यवस्थाओं में जुटी हैं।

पार्किंग, पेयजल, भोजन, स्वल्पाहार और बैठक व्यवस्था के लिए अलग-अलग टीमों को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण कराकर मनाया बाल दिवस

गुना। माध्यमिक विद्यालय बड़ी मांगरोन में बाल दिवस के उपलक्ष्य में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ बीएमओ डॉ. राजेश पुष्पक ने मां सरस्वती का पूजन कर किया गया इसके उपरांत अतिथि देवो की परंपरा का अनुसरण करते हुए विद्यालय की शिक्षिका शोभना शाक्यवार और माध्यमिक शिक्षक भैरो सिंह शाक्यवार के द्वारा पुष्प गुच्छ भेंटकर सभी अतिथियों का स्वागत किया गया। विद्यालय की छात्र अध्यापिका कु. प्रियंका गुर्जर एवं विद्यालय की बाल कैबिनेट के द्वारा समस्त अतिथियों एवं गुरुजनों का तिलक लगाकर स्वागत किया गया तदोपरांत डॉ अमित जायसवाल,डॉ. ज्योति मीना के दल द्वारा सभी को शुभकामनाएं प्रदान की एवं उपस्थित 60 बच्चों का स्वास्थ परीक्षण किया गया।

बिरसा मुंडा जयंती पर फुलवारी कॉलोनी में पौधरोपण

गुना। क्रांतिवीर बिरसा मुंडा जयंती के अवसर पर फुलवारी कॉलोनी स्थित श्रीराम जानकी मंदिर परिसर में फिट इंडिया क्लब गुना के सहयोग से पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। मोहल्ला सुधार समिति फुलवारी कॉलोनी के संयोजक अनिरुद्ध सिंह सेंगर ने बताया कि पौधरोपण मंदिर के पुजारी पंडित वेदप्रकाश शर्मा द्वारा मंत्रोच्चारण के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर साहित्यकार अनिरुद्ध सिंह सेंगर ने बिरसा मुंडा के जीवन और उनके विशिष्ट योगदान पर प्रकाश डालते हुए कहा कि मातृभूमि की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले बिरसा मुंडा केवल जनजातीय समाज ही नहीं, बल्कि पूरे राष्ट्र के लिए प्रेरणास्रोत हैं। उन्होंने ब्रिटिश शासन के अत्याचारों के खिलाफ जनजातीय समुदाय के अधिकारों की रक्षा की और उनमें राजनीतिक तथा सामाजिक जागरूकता का संचार किया। देश के विभिन्न जनजातीय बहुल क्षेत्रों—झारखंड, बिहार, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, मध्य प्रदेश—में आदिवासी समुदाय उन्हें भगवान बिरसा और धरती आबा की उपाधि से सम्मानित करता है।

कार्यक्रम में फिट इंडिया क्लब गुना और मोहल्ला सुधार समिति के सदस्य बड़ी संख्या में शामिल हुए। उपस्थित प्रमुख सदस्यों में सत्यप्रकाश माथुर, चौथमल शर्मा, के.एल. नामदेव, इंजी. गुलाब राज, विष्णु झा, अरविंद कलावत, भूरा सौकत अली खान, महेश बाबू, रमेश अग्रवाल, नरेंद्र सोनवार, हरीराम अहिरवार और संजय कुशवाह शामिल रहे। कार्यक्रम के माध्यम से कॉलोनी में पर्यावरण संरक्षण और जनजागरण का संदेश दिया गया।

जबरन कबाड़ कुटवाने पर सेठ पर मामला दर्ज

गुना। सिटी कोतवाली क्षेत्र में अगस्त माह में सामने आए एक घटना प्रकरण में विस्तृत जांच के बाद पुलिस ने अब आरोपित नियोक्ता के खिलाफ मामला दर्ज किया है। मामला उस समय का है जब कर्नलगंज निवासी 30 वर्षीय अशफाक खान, जो इमरतलाल साहू निवासी बूढ़े बालाजी के यहां छोटा हाथी चलाता था, कबाड़ कूटते समय हुए विस्फोट में गंभीर रूप से घायल हुआ था। जांच रिपोर्ट के अनुसार 21 अगस्त 25 को अशफाक अपने सेठ इमरतलाल के यहां ट्रक चलाने गया था। लेकिन सेठ ने उसे ड्राइविंग के स्थान पर कबाड़ की डोरी और अन्य सामग्री की छंटाई व कुटाई करने को कहा। इसी दौरान अचानक कबाड़ में विस्फोट हो गया जिससे असफाक के बाएं हाथ की गदेली गंभीर रूप से घायल हो गई। घायल को तत्काल सहयोग अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज हुआ और बाद में वह घर लौट आया। पुलिस ने प्रकरण की जांच की। इमरतलाल साहू ने चालक अशफाक से लापरवाही पूर्वक खतरनाक काम करवाया, जो उसकी क्षमता और दायित्व के बाहर था।

मोबाइल कोर्ट के माध्यम से ग्राम नलखेड़ा में खेत पर जाने वाले रास्ते का किया निराकरण

गुना। कलेक्टर किशोर कन्याल की अभिनव पहल मोबाइल कोर्ट के माध्यम किसानो की समस्याओं का समय सीमा में समाधान किया जा रहा है। इसी क्रम में शनिवार को एडीएम अखलेश जैन के निर्देश तथा राघौगढ़ एसडीएम अमित कुमार सोनी के मार्गदर्शन में ग्राम नलखेड़ा में स्थित सर्वे क्रमांक 322/1/2- सरदार सिंह पुत्र देवीसिंह जादौन के खेतों से निकलने वाले निजी रास्ते को अवरुद्ध कर दिया था आवेदक जोदन सिंह पुत्र रघुनाथ सिंह जादौन,विजयसिंह पुत्र लल्लू सिंह जादौन,गोपाल सिंह पुत्र नारायण सिंह, नारायण सिंह पुत्र दौलत सिंह, मोर बाई पत्नी नारायण सिंह निवासी नलखेड़ा को खेत की बुवाई के लिए रास्ता को मौके पर ही खुलवाया गया मकसूदनगढ़ तहसीलदार डॉ उदय सिंह, नायब तहसीलदार कमल सिंह कोली,राजस्व निरीक्षक लल्लू सिंह भील,पटवारी नैनी जैन,राकेश यादव कोटवार एवं पुलिस टीम द्वारा दोनों के खेतों की सीमाएं नाप कर बताई गई पूर्व में ही तहसीलदार मधुसूदनगढ़ द्वारा उक्त रास्ते का मध्य प्रदेश भू राजस्व संहिता 1959 की धारा 131 के तहत आदेश किया गया था। जिसकी अपील एसडीएम राघोगढ़ के यहां हुई थी जिसमें आदेश यथावत रखा गया।

संदेश जातिवाद से ऊपर उठने का दिया संदेश, कांग्रेस और सरकार की नीतियों पर भी साधा निशाना

सामाजिक समरसता यात्रा लेकर गुना पहुंचे लक्ष्मण सिंह

गुना। सामाजिक समरसता और सामाजिक चेतना को बढ़ावा देने के उद्देश्य से राजगढ़ के पूर्व सांसद और पूर्व चांचौड़ा विधायक लक्ष्मण सिंह इन दिनों प्रदेशभर की यात्रा पर हैं। शनिवार को यह यात्रा गुना विधानसभा क्षेत्र में पहुंची, जहां श्री पंचमुखी हनुमान मंदिर में पूजा-अर्चना कर उन्होंने यात्रा की औपचारिक शुरुआत की। बड़ी संख्या में लोगों की मौजूदगी में आगे बढ़ी इस यात्रा के दौरान लक्ष्मण सिंह ने विभिन्न सामाजिक मुद्दों और वर्तमान राजनीतिक परिस्थितियों पर अपने विचार रखे। मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि हाल ही में संपन्न हुए बिहार विधानसभा चुनावों के नतीजों ने स्पष्ट कर दिया है कि मतदाताओं ने जातीय राजनीति से ऊपर उठकर मतदान किया है। यही संदेश उनकी सामाजिक समरसता यात्रा का मूल उद्देश्य भी है—लोग जाति-पांति से परे होकर पहले स्वयं को भारतीय मानें और एक-दूसरे के प्रति सम्मान व सहयोगभाव रखें।

कांग्रेस और राहुल गांधी से जुड़े आरोपों पर उन्होंने बिंदास अंदाज में कहा कि वोट चोरी की बातें सिर्फ बकवास हैं। उन्होंने कांग्रेस की आंतरिक चुनौतियों पर भी खुलकर टिप्पणी की। उनका कहना था कि पार्टी में अक्सर योग्य और अनुभवी नेताओं को बोलने से रोका जाता है, जबकि जिन लोगों को संयम बरतना चाहिए, उन्हें खुली छूट दी जाती है। उन्होंने उदाहरण के तौर पर पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह का उल्लेख किया, जिन्हें उन्होंने अत्यंत विद्वान और सक्षम नेता बताया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और विपक्ष का मजबूत होना लोकतंत्र के लिए आवश्यक है और वे स्वयं चाहते हैं कि विपक्ष पुनः मजबूती के साथ खड़ा हो। प्रदेश सरकार की योजनाओं पर भी उन्होंने तीखी प्रतिक्रिया दी। उनका कहना था कि महिलाओं को सीधे नकद राशि देने से न तो उनका वास्तविक सशक्तिकरण होगा और न ही यह विकास का दीर्घकालिक समाधान है। इसके बजाय ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं के लिए स्थाई रोजगार उपलब्ध कराना अधिक प्रभावी कदम होगा। उन्होंने कहा कि लाड़ली बहना जैसी योजनाओं के तहत पैसा तो दिया जा रहा है, लेकिन कर्मचारियों को समय पर वेतन तक नहीं मिल रहा है। ऐसी मुफ्त योजनाओं ने सरकारी खजाने पर भारी बोझ डाल दिया है, जिससे कर्ज बढ़ता जा रहा है। उन्होंने बताया कि सामाजिक समरसता यात्रा प्रदेश की सभी विधानसभा क्षेत्रों में पहुंचेगी, जहां लोगों से संवाद के माध्यम से एकता,जागरूकता और सामाजिक सद्भाव का संदेश दिया जाएगा।

राघौगढ में भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर संगोष्ठी कार्यक्रम किया आयोजन

नवभारत न्यूज

गुना। पाटई सबरी आश्रम राघौगढ़ पर भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर संगोष्ठी कार्यक्रम रखा गया। इस अवसर पर कार्यक्रम में मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद की जिला समन्वयक मंजूषा सोलोमन द्वारा भगवान बिरसा मुंडा जी के जीवन वृत्त पर चर्चा कर उनके द्वारा समाज हेतु किए गए उल्लेखनीय कार्यों से सदन को अवगत कराया गया। ब्लॉक समन्वयक लोकेन्द्र सिंह द्वारा की जानकारी देते हुए बताया कि बिरसा मुंडा जी आदिवासी समाज के मसीहा थे ओर देश की आज़ादी में महती भूमिका निभाते हुए अपने प्राण न्योछावर कर दिए। परिषद द्वारा यह कार्यक्रम पूरे मध्य प्रदेश में आयोजित किया जा रहा है।